Agricultural Scientists Recruitment Board

3052. SHRI R. L. KUREEL: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether the Government have taken all necessary precautions/steps to ensure and uphold the independence of the Agricultural Scientists Recruitment Board; and

(b) if so, whether the Minister (President of I.C.A.R.) issued any directives in this behalf?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir. Orders have been issued that the Agricultural Scientists Recruitment Board being an independent body appointed to assist the Indian Council of Agricultural Research, is to be treated in the same way as the Union Public Service Commission and that there should be no interference with its functioning.

Dealings of F.C.I. Officials with Farmer

3053. SHRI CHAND RAM: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether the price of wheat has fallen below the support price announced by Government;

(b) whether the officials of Food Corporation of India in connivance with the traders are cheating the farmers by way of rejecting the wheat and allowing traders to buy at low price; and

(c) if so, the remedial steps taken to ensure fair dealings with farmers?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) The support price of Rs. 110/- per quintal announced by the Government is for fair average quality of wheat and the Government procuring agencies ensure that the price for fair average quality does not fall below this level.

(b) and (c). No, Sir. However, senior officers of the Food Corporation of India are keeping a constant watch on the procurement operations with a view to eliminating any chances of malpractices on the part of its staff.

औराई सहकारी चीनी मिल वाराणसी को और गन्ने के मूल्य की बकाया राशि

3054 **श्री नरसिंह यादव** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) औराई सहकारी चीनी मिल वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा वर्ष 1976–77 और 1977–78 में किसानों से कितना गन्ना खरीदा गया, किसानों को कितने गन्ने का मुल्य दिया गया है और कितने किसानों को गन्ने का मुल्य नहीं दिया गया है और ऐसी राशि कितनी है तथा यह किन कारणों से किसानों को नहीं दी गई है तथा यह राशि उन्हें कब तक दी जायेगी ;

(ख) क्या उक्त मिल मुनाफे में चल रही है अथवा घाटे में, यदि मिल घाटे में चल रही है तो उसे प्रतिवर्ष कितना घाटा हो रहा है ; और

(ग) इस मिल को मुनाफा हो, इसके लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) मिल ने 1976–77 में 8.95 लाख क्विंटल गन्ना खरीदा था;

1977–78 मौसम अभी शुरू होना है । 8.60 लाख क्विंटल के मूल्यों का भुगतान किया जा चुका है । 904 किसानों को गन्ने का मूल्य नहीं दिया गया है और उनको 4.2 लाख रुपयों का भुगतान किया जाना है । मुक्त बिक्री की चीनी के मूल्यों में गिरावट आने के कारण पैसे की कमी होने से भुगतान नहीं किया जा सका; जैसे ही पैसे की व्यवस्था हो जाएगी, मूल्यों का भुगतान कर दिया जाएगा ;

(ख) यह मिल हानि पर चल रही है । मिल वर्ष 1971–72 से कार्य कर रही है और उसे प्रत्येक वर्ष हुई हानि का ब्यौरा नीचे दिया जाता है ।

वर्ष	हानि लाख रुपयों में
1971–72 . .	35.64
1972–73 . .	53.61
1973–74 . .	61.27
1974–75 . .	47.63
1975–76 . .	43.86
	242.01 (अस्थाई । इसकी लेखा-परीक्षा नहीं हुई)

उपर्युक्त आंकड़ों में मिल्स की स्थायी परिसम्पत्ति पर मूल्य ह्रास के लिए व्यवस्था भी शामिल है जोकि 112.21 लाख रुपये बैठती है ।

(ग) एक पंचवर्षीय सघन गन्ना विकास कार्यक्रम तैयार किया गया है जिसमें विशेष रूप से सिंचाई संसाधनों में वृद्धि करने, गैर मंजूरशुदा गन्ने की किस्मों की प्रतिस्थापना करने और फैक्ट्री के दरवाजे से 32 किलोमीटर की परिधि में अधिक मात्रा में उर्वरकों के इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है । इस कार्यक्रम को कार्यान्वित किया जा रहा है ताकि गन्ने की पिराई से संबंधित सामान्य आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके ।

Centres/Schools in I.I.T. Delhi

3055. DR. RAMJI SINGH: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) what are the separat budget arrangements of the different Centres/Schools created by the Board of Governors in the I. I. T. Delhi;

(b) what is their output in terms of applied research for the nation;

(c) whether these Centres/Schools are mentioned for exchanging foreign visits; and

(d) if not, whether Government propose to place on the Table of the House the contributions made by the different Heads of the Departments in I. I. T.?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) A statement is attached.

(b) The work done in these Centres and Schools has been utilised in fields like electronic systems, microwave components, bio-chemical engineering, radar systems, instrumentation, and bio-medical engineering.

(c) The Centres/Schools are meant for carrying out inter-disciplinary research activities. For the development of two Centres, there are collaboration programmes with the Swiss and Norwegian Governments which include exchange of visits. In the case of other Centres/Schools the need